बाबूजी की रोटी

बाबूजी कभी रिटायर नहीं हुए। सरकारी दफ्तर से हुए होंगे, लेकिन घर-गृहस्थी के दफ्तर में तो आज भी वही फाइलें निपटा रहे हैं– दूध लाना, सब्ज़ी तौलना, किराने का हिसाब रखना, बिजली का बिल भरना, और बीच-बीच में पड़ोसियों के बच्चों को जीवन के 'अनमोल ज्ञान' बाँटना। वह ज्ञान, जिसे सुनकर बच्चे भी मोबाइल के स्क्रीन में मुँह गाड़ने का बहाना खोज लेते हैं। घर में उनकी स्थिति वही थी जो पुराने ज़माने की एल्बम की होती है– कोई देखता नहीं, लेकिन फेंकता भी नहीं। रिटायरमेंट के बाद बाबूजी को परिवार में ठीक उसी तरह रखा गया, जैसे शादी के खाने में बचे हुए गुलाब जामुन– सबको पता होता है कि पड़े हैं, लेकिन कोई पूछता नहीं। बाबूजी, आप आराम कीजिए! यह वाक्य बहू-बेटे के प्रेम से अधिक, उन्हें किनारे करने की प्रशासनिक कार्यवाही लगती थी। बेटा प्रमोशन पाकर बिजी हो गया, बहू ऑनलाइन शॉपिंग में व्यस्त थी और पोते-पोतियाँ इंस्टाग्राम पर स्वदेशी संस्कृति की बातें कर रहे थे। इस बीच बाबूजी अचार के मर्तबान खोलकर पुराने दिनों को सूँघते रहते थे।

एक दिन बाबूजी ने ऐलान कर दिया, आज से अपनी रोटी खुद बनाऊँगा! यह सुनते ही घर में वही माहौल बन गया जो सरकार के नए बजट सुनने के बाद जनता में बनता है– चुप्पी, चिंता और कटाक्ष! बहू ने पानी पीते-पीते हिचकी ली, बेटा अख़बार के पीछे छुप गया और पोती ने गूगल पर सर्च किया– रिटायर्ड लोग मानसिक संतुलन क्यों खोते हैं? दादीजी ने समझाने की कोशिश की, अरे, खाना तो बना बनाया मिलेगा, तुम क्यों तकलीफ कर रहे हो? बाबूजी ने मुस्कराकर जवाब दिया, बिटिया, अब हमें तकलीफ नहीं होती, तकलीफ सहने की आदत हो गई है! बाबूजी ने किचन में कदम रखा, तो LPG सिलेंडर भी सहम गया। तवा देख केतली से कानाफूसी करने लगा– अबे, आज तेरा बुरा वक्त आ गया! आटा गूंथने बैठे तो ऐसा लगा मानो बैलगाड़ी के पहिए बना रहे हों। रोटी गोल करने चले तो मानो महाद्वीपों के नक्शे बना रहे थे– कोई अफ्रीका, कोई ऑस्ट्रेलिया और कोई सीधा अंटार्कटिका! बहू हँसी दबाए बिना रह नहीं सकी, बाबूजी, इसे रोटी कहते हैं या अजंता की गुफाएँ?÷ लेकिन बाबूजी मुस्कराए, बेटी, कला तो पहचानने वाली आँखों में होती है! रोटी किसी तरह सिक कर प्लेट में पहुँची। बाबूजी ने पहला कौर मुँह में डाला, तो आँखों में वही चमक आ गई, जो कभी पहली सैलरी मिलने पर आई थी। बहू-बेटे को अचानक अहसास हुआ कि उनकी थाली में जो चपाती सजी है, उसके पीछे बाबूजी के जवानी के संघर्ष छुपे हैं। कितनी बार बिना खाए ऑफिस गए होंगे? कितनी बार बच्चों को खिलाकर खुद सिर्फ अचार से काम चलाया होगा? बेटा धीरे से उठा और बाबूजी के पास जाकर बैठ गया। बहू ने भी प्लेट सरका दी, बाबूजी, हमें भी सीखाइए न! बाबूजी ने हल्की मुस्कान के साथ बेटा-बहू की ओर देखा और तवा उठाकर गैस पर रख दिया। किचन में पहली बार चूल्हे की आंच से ज्यादा गर्माहट रिश्तों में महसूस हुई। कुछ देर बाद तवे पर पहली सही-सलामत गोल रोटी सिक रही थी और बाबूजी ने राहत की साँस ली– चलो, घर में आत्मनिर्भरता की शुरुआत हो गई!

नवरात्रि में करे नवार्ण मन्त्र की साधना और करे नव ग्रह शांति (30 मार्च से 6 अप्रैल 2025)

आदिशक्ति की पूजा के दिन यानी कि चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ 30 मार्च से होने जा रहा है। इस दिन से हिंदू नववर्ष भी प्रारंभ होते हैं इसलिए ये नवरात्र हर किसी के लिए काफी मायने रखते हैं।

30 मार्च 2025 रविवार से 6 अप्रैल 2025 तक नवरात्रि है

इस बार आठ दिन का ही नवरात्र है क्योंकि तृतीय तिथि का क्षय है।

नवरात्रि में करे नवार्ण मन्त्र की साधना और करे नव ग्रह शांति

नवरात्रि पर्व में देवी उपासक विभिन्न् प्रकार के मंत्र जप, पाठ, तंत्र साधना आदि करके देवी को प्रसन्न् करने का प्रयास करते हैं। नवरात्रि के दिन नवग्रहों की शांति करने के सबसे अच्छे दिन माने जाते हैं। इन नौ दिनों में देवी की विशेष साधना करके नवग्रहों की पीड़ा से बचा जा सकता है। वैसे तो देवी का प्रत्येक मंत्र अपने आप में अनुभूत सिद्ध है लेकिन नवार्ण मंत्र को विशेषरूप से नवग्रहों के दुष्प्रभाव से बचाने वाला माना जाता है

नवार्ण मंत्र का अर्थ है नौ वर्ण वाला मंत्र.

नवार्ण मंत्र का अर्थ है नौ वर्ण वाला मंत्र। अपने नाम के अनुरूप देवी के नवार्ण मंत्र में नौ वर्ण या अक्षर होते हैं। नौ अक्षरों वाले नवार्ण मंत्र के एक-एक अक्षर का संबंध दुर्गा की एक-एक शक्ति से है और उस एक-एक शक्ति का संबंध एक-एक ग्रह से है। इसलिए नवरात्रि में नवार्ण मंत्र की सिद्धि करके ग्रहों को अपने अनुकूल किया जा सकता है।

मंत्र के प्रत्येक वर्ण की व्याख्या

नवार्ण मंत्र का पहला अक्षर है ऐं। यह सूर्य ग्रह को नियंत्रित करता है।

दूसरा अक्षर है ह्रीं। यह चंद्र ग्रह को नियंत्रित करता है।

तीसरा अक्षर है क्लीं। यह मंगल को नियंत्रित करता है।

चौथा अक्षर है चा। यह बुध को नियंत्रित करता है।

पांचवा अक्षर है मुं। यह बृहस्पति को अनुकूल बनाता है।

छठा अक्षर है डा। यह शुक्र ग्रह को नियंत्रित करके उसकी पीड़ा को शांत करता है।

सातवां अक्षर है यै। यह शनि ग्रह को नियंत्रित करता है।

आठवां अक्षर है वि। यह राहु ग्रह को अपने आधिपत्य में रखता है।

नवां अक्षर है च्चे। यह केतु ग्रह को नियंत्रित करके उसकी पीड़ा से मुक्ति दिलाता है।

प्रत्येक नवार्ण का संबंध देवी से

नवार्ण मंत्र के प्रत्येक वर्ण का संबंध देवी दुर्गा की एक-एक शक्ति से है। ये शक्तियां हैं क्रमशः शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी तथा सिद्धिदात्री। इनकी उपासना क्रमानुसार नवरात्रि के पहले दिन से लेकर नौवें दिन तक की जाती है।

कैसे करें नवार्ण मंत्र की साधना

देवी का यह नवार्ण मंत्र अत्यंत चमत्कारिक और उग्र है।

इसलिए इसका जाप या सिद्धि करने में अत्यंत सावधानी और सात्विकता की आवश्यकता होती है।

इसे सिद्ध करने से पहले अपने गुरु की आज्ञा और मार्गदर्शन अवश्य लें।

नवार्ण मंत्र की सिद्धि के लिए नवरात्रि के नौ दिनों में ब्रह्मचर्य का पालन करना आवश्यक है।

काम, क्रोध, लोभ, मोह से दूर रहना पहली शर्त है।

नवार्ण मंत्र के तीन देवता ब्रह्मा, विष्णु और महेश हैं।

इसकी तीन देवियां महाकाली, महालक्ष्मी तथा महासरस्वती हैं।

दुर्गा की यह नौ शक्तियां धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति में भी सहायक होती हैं।

नवार्ण मंत्र का जाप 108 दाने की माला पर कम से कम तीन बार करें।

माला स्फटिक या कमलगट्टे की लेना उत्तम रहता है।

मंत्र साधना प्रारंभ करने से पहले अपनी अभीष्ट कामना की पूर्ति का संकल्प लें।

प्रतिदिन एक निश्चित समय पर पूजा स्थान पर लाल कपड़े पर देवी की प्रतिमा या चित्र स्थापित करके गाय के घी का दीपक प्रज्जवलित करके पूर्वाभिमुख होकर मंत्र जपें।

यह नौ वर्णों वाला मंत्र है

।। ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे ।।

नवार्ण मंत्र के लाभ

देवी के नवार्ण मंत्र से नवग्रहों की पीड़ा शांत होती है।

नवग्रहों का असंतुलन दूर होता है।

धन संपदा, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होती है।

नवार्ण मंत्र के जप से आत्मविश्वास, बल और साहस में वृद्धि होती है।

शत्रुओं का नाश होता है।

पंडित डॉ. मनीष शर्मा महू

तिलक लगाकर, फूल देकर और प्रसाद वितरण कर मनाया हिंदू नववर्ष

देवास। हिंदू नववर्ष के प्रथम दिन स्थानीय इंदिरा गांधी प्रतिमा स्थल पर भाजपा जिला अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों ने हर्षोल्लास के साथ नववर्ष मनाया। इस अवसर पर एक-दूसरे को हिंदू नववर्ष की बधाई दी गई। कार्यक्रम में तिलक लगाकर, फूल भेंट कर और प्रसाद वितरण कर उत्सव की गरिमा बढ़ाई गई।

इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, जिला महामंत्री मनीश सोलंकी, पंकज वर्मा, महाराजा मंडल अध्यक्ष सुरेश सिलोदिया, श्री शिलनाथ मंडल अध्यक्ष शुभम चौहान, सीनियर मंडल अध्यक्ष देवेंद्र नवगोत्री, जूनियर मंडल अध्यक्ष मधु शर्मा, पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष अनिल सिकरवार, नगर महामंत्री नवीन सोलंकी, सहित कई भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं आम नागरिक उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा सह जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

श्री अकादमी का बोर्ड परीक्षा में रहा सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम

महू (इंदौर समाचार) राज्य शिक्षा केंद्र, मध्य प्रदेश शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कक्षा पांचवी और आठवीं की बोर्ड परीक्षा में श्री एकेडमी कोदरिया के विद्यार्थियों ने सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किए।दोनो ही कक्षा के परीक्षा परिणाम में हर कक्षा के 70 प्रतिशत विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए।

कक्षा 8 में दिव्यांशी ने 90% के साथ कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया इसी के साथ पार्थ भादव्या ने कक्षा 5 वीं में 91% अंक अर्जित कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 8 बोर्ड परीक्षा में दिव्यांशी सुले ने 90%, गुंजन पटेल 83% यशस्वी बारोड़ 83% सुमित निनामा 82% तथा नंदनी भावेल ने 81% अंक अर्जित किए।

कक्षा 5 में पार्थ भादव्या ने 91%, अक्षधा कांबले ने 87% विधांशी सिरसाठ ने 85% प्रिशीता पटेल ने 84% साक्षी शर्मा 83% काशवी पाटीदार 82%, मानवी रेड्डी

कक्षा 8 में दिव्यांशी सुले और कक्षा 5 वीं में पार्थ भादव्या ने बाजी मारी

82%, दृष्टि वर्मा 80% काव्य अंजना 80% वेदांश चौहान ने 79% अंक प्राप्त किए । सभी विद्यार्थियों को विद्यालय डायरेक्टर राजेश पाटीदार एवं प्राचार्या हेमलता पाटीदार ने विद्यालय परिवार एवं सभी शिक्षकों के साथ प्रावीण्य सूची में आने वाले सभी विद्यार्थियों को मेडल, प्रमाण पत्र, उपहार, तिरंगा पट्टिका के साथ मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

चैत्र अमावस्या पर खिचड़ी वितरण

महू (इंदौर समाचार)आदर्श युवा धार्मिक संगठन एवं सखी सहेली महिला मित्र मंडल, महू द्वारा चैत्र अमावस्या के अवसर पर स्थानीय श्याम विलास चौराहे पर खिचड़ी प्रसादी का वितरण सर्व श्री बी के कौशल, युवा मोर्चा अध्यक्ष वैभव श्रीवास,राकेश चौहान, हरपाल सिंह , श्याम ऊंटवाल, श्यामराव बनसोडे, अविनाश डाबोडीया, संदीप वर्मा, बंटी यादव , राकेश कौशल, ललित यादव, विशाल कौशल, ओम प्रकाश कैथवास, शरद कौशल, हेमलता मनोज मेहरा द्वारा किया गया ।

परिवहन विभाग ने कार्यवाही कर 10 लाख मोटरयान कर बकाया होकर संचालित हो रही यात्री बस जप्त की

देवास। जिला परिवहन अधिकारी देवास ने बताया कि जिले में परिवहन विभाग द्वारा बकाया यात्री बसों के विरूद्ध विशेष चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत की गई देवास में भोपाल रोड़ पर चैकिंग अभियान के अन्तर्गत यात्री बसों को चैक किया गया, जिसमें एक यात्री बस बिना मोटरयान कर संदाय किये संचालित होते पाई जाने पर जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया । जप्त की गई यात्री बस से लगभग 9 लाख 50 हजार मोटरयान कर वसूल किया जाना है। नियम विरूद्ध संचालित वाहनों की चैकिंग कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी ।

मां चामुंडा सेवा समिति सेवा पांडाल का विधायक गायत्री राजे पवार ने किया शुभारम्भ

देवास। चामुंडा सेवा समिति द्वारा चौत्र नवरात्रि महापर्व पर संत महात्माओं के सानिध्य में विधायक गायत्री राजे पंवार, महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल, सभापति रवि जैन, बैंक नोट प्रेस के मुख्य महाप्रबंधक केदारनाथ महापात्रा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल कमांडेंट शिवरतन मीणा द्वारा मां तुलजा भवानी, मां चामुंडा की पूजा अर्चना कर उदासीन अखाड़ा सीढ़ी मार्ग पर रविवार को कन्या भोज, यज्ञ हवन व फरियाली छाछ सेवा पांडाल का फीता काटकर शुभारंभ किया गया।

समिति संयोजक समाजसेवी रामेश्वर जलोदिया ने बताया

शासकीय देवस्थान प्रबंध समिति अध्यक्ष एवं कलेक्टर ऋतु राज, एसपी पुनीत गहलोत, निगमायुक्त रजनीश कसेरा ने टेकरी पर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर मां चामुंडा व मां तुलजा भवानी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। प्रतिदिन विद्वान यज्ञाचार्य देवी शंकर तिवारी द्वारा यज्ञ हवन संपन्न होगा। प्रतिदिन कन्याभोज,यज्ञ हवन व टेकरी पर दर्शनार्थ आने वाले भक्तों को फरियाली छाछ का वितरण किया जाएगा।

इस पुण्यमय कार्य में मां चामुंडा सेवा समिति के समाजसेवी, राजेश गोस्वामी, नरेंद्र मिश्रा, नारायण व्यास, उम्मेद सिंह राठौड़, दिनेश सांवलिया, ओम प्रकाश पटेल, अभिषेक अवस्थी, शिवनारायण पाठक, प्रदीप लाठी, मुरलीधर पांचाल, बंशीलाल व्यास, कैलाश परमार, प्रेम पावर, हृदयेश गहलोत, सुशील शिंदे, समिति की मातृशक्ति दुर्गा व्यास सुधा सोलंकी सहित सभी समाजसेवियों का अनुकरण योगदान रहा।

कार्यक्रम का संचालन रामेश्वर जलोदिया ने किया। आभार उम्मेदसिंह सिंह राठौड़ ने माना।

डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर महू में होगा विशाल समागम

महू (इंदौर समाचार) प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह पूर्ण आस्था के साथ महू में मनाया जायेगा। इस दिन डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली स्मारक पर बाबा साहब अम्बेडकर को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जयंती उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं कि मेहमानों की तरह राज्य शासन द्वारा आवभगत की जाएगी।

जयंती उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं की मेहमानों की तरह की जाएगी आवभगत

श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, पेयजल के लिए की जाएगी विशेष व्यवस्था

कलेक्टर आशीष सिंह ने महू पहुंचकर व्यवस्थाओं को दिया अंतिम रूप

श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, शीतल पेयजल आदि की विशेष व्यवस्था की जाएगी। जन्म स्थली पर बने भव्य स्मारक पर विशेष साज-सज्जा की जाएगी। फूलों और विद्युत रोशनी से सजावट होगी।

कलेक्टर आशीष सिंह ने महू पहुंच कर जयंती उत्सव में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अंतिम रूप दिया। कलेक्टर आशीष सिंह ने आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर श्री सिंह ने डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जन्म स्थली पर बने स्मारक का अवलोकन भी किया और वहां की जाने वाली व्यवस्थाओं को भी देखा। साथ ही श्री सिंह स्वर्ग मंदिर महाविद्यालय परिसर भी पहुंचे। यहां की व्यवस्थाएं भी उन्होंने देखी। बैठक में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती हितिका वासल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रुपेश द्विवेदी, एसडीएम महू राकेश परमार महू छावनी परिषद के सतीश अग्रवाल एच एस कोलाए सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाए।

बताया गया की जयंती उत्सव में 14 अप्रैल 2025 को प्रभात फेरी अम्बेडकर संस्थान द्वारा निकाली जायेगी जो महू के क्षेत्रों में भ्रमण करेगी। आगामी 13 अप्रैल 2025 को रात्रि में अम्बेडकर जन्मस्थली पर संस्थान द्वारा भजन संध्या का आयोजन भी किया जायेगा।

अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह में अन्य प्रदेश एवं मध्यप्रदेश के अन्य क्षेत्रों से श्रद्धालु आयेंगे। श्रद्धालुओं के आगमन का सिलसिला 12 अप्रैल की शाम से शुरू हो जाएगा। श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था स्वर्ग मंदिर परिसर में की जायेगी। यह व्यवस्था 12 अप्रैल की शाम से प्रारंभ हो जायेगी। उक्त भोजन व्यवस्था 14 अप्रैल की शाम तक जारी रहेगी। भंतो के भोजन की व्यवस्था माहेश्वरी स्कूल में की जाएगी तथा उनके रूकने की व्यवस्था भी माहेश्वरी स्कूल में रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पर्याप्त संख्या में अस्थाई शौचालयों का निर्माण भी किया जाएगा। श्रद्धालुओं की पेयजल व्यवस्था हेतु विभिन्न स्थानों पर प्याउ का निर्माण किया जायेगा।

अम्बेडकर जयंती के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के रूकने हेतु धर्मशालाओं, केन्ट बोर्ड हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं केन्ट बोर्ड कन्या स्कूल में श्रद्धालुओं को रूकने की व्यवस्था की जायेगी। इसके अलावा तीन विशाल डोम भी ठहरने के लिए बनाए जाएंगे।

कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु कार्यक्रम स्थलों को सात सेक्टर में विभाजित किया गया है। यह सेक्टर महेश्वरी स्कूल महू, डॉ.अम्बेडकर जन्म स्थली, केन्ट प्रायमरी स्कूल, स्वर्ग मंदिर परिसर, रेल्वे स्टेशन से सात रास्ता, केन्ट बोर्ड कन्या विद्यालय तथा उत्कृष्ट विद्यालय महू में बनाये जाएंगे। उक्त सात सेक्टरो में दल का गठन कर सभी विभागों के व्यक्तियों की ड्यूटी लगाई जायेगी।

उक्त सात सेक्टरों पर मराठी भाषी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जायेगी, जिससे कि आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु तीन स्थानों पर कन्ट्रोल रूम बनाए जाएंगे। यह कंट्रोल रूम तहसील परिसर महू, अम्बेडकर जन्म स्थली स्मारक तथा स्वर्ग मंदिर परिसर में रहेंगे।

महू में समारोह के दौरान 6 स्थान पर आकस्मिक चिकित्सा की विशेष व्यवस्था रहेगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सकों का दल गठन कर ड्यूटी लगाई जायेगी। कार्यक्रम में साफ-सफाई हेतु इन्दौर नगर निगम एवं स्थानीय निकाय से सफाई कर्मी की ड्यूटी लगाई जायेगी। समारोह के दौरान अग्निशमन की भी व्यवस्था रहेगी।